



Sarita tiwari

09 Jun 1974

02:45 PM

Gopalganj

Model: web-freekundliweb

Order No: 121622403

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 09/06/1974
दिन _____: रविवार
जन्म समय _____: 14:45:00 घंटे
इष्ट _____: 24:25:16 घटी
स्थान _____: Gopalganj
राज्य _____: Bihar
देश _____: India

अक्षांश _____: 26:28:00 उत्तर
रेखांश _____: 84:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: 00:07:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 14:52:44 घंटे
वेलान्तर _____: 00:00:57 घंटे
साम्पातिक काल _____: 08:02:10 घंटे
सूर्योदय _____: 04:58:53 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:44:02 घंटे
दिनमान _____: 13:45:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: ग्रीष्म
सूर्य के अंश _____: 24:39:32 वृष
लग्न के अंश _____: 03:42:43 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: तुला - शुक्र
राशि-स्वामी _____: मकर - शनि
नक्षत्र-चरण _____: श्रवण - 2
नक्षत्र स्वामी _____: चन्द्र
योग _____: ऐन्द्र
करण _____: कौलव
गण _____: देव
योनि _____: वानर
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: वैश्य
वश्य _____: जलचर
वर्ग _____: मार्जार
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: भूमि
जन्म नामाक्षर _____: खू-खुशी
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मिथुन

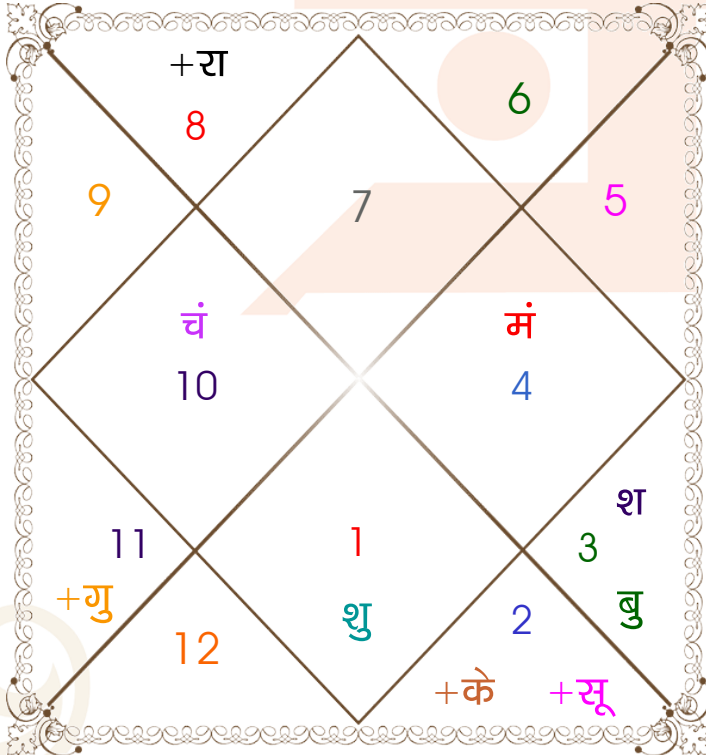
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व अ राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद नं.	रा न	न अं.	स्थिति
लग्न	तुला	03:42:43	318:01:01	चित्रा	4 14	शुक्र	मंगल	शुक्र ---
सूर्य	वृष	24:39:32	00:57:22	मृगशिरा	1 5	शुक्र	मंगल	राहु शत्रु राशि
चंद्र	मक	14:00:14	11:50:11	श्रवण	2 22	शनि	चंद्र	गुरु सम राशि
मंगल	कर्क	06:42:28	00:36:39	पुष्य	2 8	चंद्र	शनि	बुध नीच राशि
बुध	मिथु	17:23:39	00:37:56	आर्द्रा	4 6	बुध	राहु	शुक्र स्वराशि
गुरु	कुंभ	23:06:09	00:05:13	पू०भाद्रपद	1 25	शनि	गुरु	शनि सम राशि
शुक्र	मेष	17:01:23	01:09:52	भरणी	2 2	मंगल	शुक्र	चंद्र सम राशि
शनि	मिथु	12:06:02	00:07:35	आर्द्रा	2 6	बुध	राहु	शनि मित्र राशि
राहु	वृश्चि	25:53:46	00:00:11	ज्येष्ठा	3 18	मंगल	बुध	राहु शत्रु राशि
केतु	वृष	25:53:46	00:00:11	मृगशिरा	1 5	शुक्र	मंगल	राहु सम राशि
हर्ष	व तुला	00:22:26	00:01:08	चित्रा	3 14	शुक्र	मंगल	बुध ---
नेप	व वृश्चि	14:27:54	00:01:36	अनुराधा	4 17	मंगल	शनि	राहु ---
प्लूटो	व कन्या	10:33:58	00:00:10	हस्त	1 13	बुध	चंद्र	चंद्र ---
दशम भाव	कर्क	04:55:37	--	पुष्य	-- 8	चंद्र	शनि	शनि --

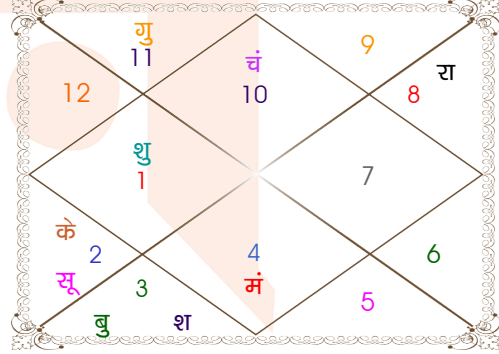
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:30:17

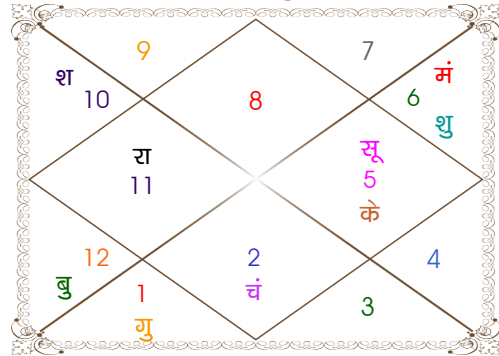
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 6 वर्ष 11 मास 29 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
09/06/1974	08/06/1981	08/06/1988	08/06/2006	08/06/2022
08/06/1981	08/06/1988	08/06/2006	08/06/2022	08/06/2041
00/00/0000	मंगल 04/11/1981	राहु 19/02/1991	गुरु 26/07/2008	शनि 11/06/2025
00/00/0000	राहु 22/11/1982	गुरु 14/07/1993	शनि 07/02/2011	बुध 19/02/2028
09/06/1974	गुरु 29/10/1983	शनि 20/05/1996	बुध 14/05/2013	केतु 30/03/2029
गुरु 08/09/1975	शनि 07/12/1984	बुध 08/12/1998	केतु 20/04/2014	शुक्र 29/05/2032
शनि 08/04/1977	बुध 04/12/1985	केतु 26/12/1999	शुक्र 19/12/2016	सूर्य 11/05/2033
बुध 07/09/1978	केतु 03/05/1986	शुक्र 26/12/2002	सूर्य 08/10/2017	चंद्र 11/12/2034
केतु 08/04/1979	शुक्र 03/07/1987	सूर्य 20/11/2003	चंद्र 07/02/2019	मंगल 20/01/2036
शुक्र 07/12/1980	सूर्य 08/11/1987	चंद्र 21/05/2005	मंगल 13/01/2020	राहु 26/11/2038
सूर्य 08/06/1981	चंद्र 08/06/1988	मंगल 08/06/2006	राहु 08/06/2022	गुरु 08/06/2041

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
08/06/2041	08/06/2058	08/06/2065	08/06/2085	08/06/2091
08/06/2058	08/06/2065	08/06/2085	08/06/2091	00/00/0000
बुध 04/11/2043	केतु 04/11/2058	शुक्र 07/10/2068	सूर्य 25/09/2085	चंद्र 08/04/2092
केतु 01/11/2044	शुक्र 04/01/2060	सूर्य 08/10/2069	चंद्र 27/03/2086	मंगल 07/11/2092
शुक्र 02/09/2047	सूर्य 11/05/2060	चंद्र 08/06/2071	मंगल 02/08/2086	राहु 09/05/2094
सूर्य 08/07/2048	चंद्र 10/12/2060	मंगल 07/08/2072	राहु 27/06/2087	गुरु 09/06/2094
चंद्र 07/12/2049	मंगल 08/05/2061	राहु 08/08/2075	गुरु 14/04/2088	00/00/0000
मंगल 05/12/2050	राहु 27/05/2062	गुरु 08/04/2078	शनि 27/03/2089	00/00/0000
राहु 23/06/2053	गुरु 03/05/2063	शनि 08/06/2081	बुध 31/01/2090	00/00/0000
गुरु 29/09/2055	शनि 11/06/2064	बुध 08/04/2084	केतु 08/06/2090	00/00/0000
शनि 08/06/2058	बुध 08/06/2065	केतु 08/06/2085	शुक्र 08/06/2091	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 6 वर्ष 11 मा 29 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृत्ति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांटेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बातें करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृत्ति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृत्ति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृत्ति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रुचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।